SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-1-3)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं।

	ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:

	• उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना
इतिहास (विषय कोड-027)
(पेपर कोड : 61/1/3) (12-01-27N)

अंकन योजना में उलिखित पृष्ठ संखाएँ नवीनतम एनसीआरटी ई- पुस्तक से ली गई हैं|

प्र.सं.	अपेक्षित परिणाम/मूल्य बिंदु	पृष्ठ सं.	निशान
	एक खंड **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)**		**21X1= 21**
1.	(D) पाटलिपुत्र	31	1
2.	(D) केवल (ii) और (iv) सही हैं	88	1
3.	(B) मौर्य - महापद्मनंद के उत्तराधिकारी	50	1
4.	(B) IV, II, III,I	25	1
5.	(D) 4, 3, 1, 2	2	1
6.	(C) अष्टाध्यायी	79	1
7.	(B) साँची स्तूप दृष्टिबाधित लोगों के लिए (B) मध्य प्रदेश.	83	1
8.	(C) हजारा राम मंदिर.	183	1
9.	(C) अकबर नामा	217	1
10.	(D) राम राय और बीजापुर, गोलकोंडा और अहमदनगर के शासकों के बीच	173	1
11।	(C) इसने भारतीय समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया	276	1
12.	(A) अभिकथन (A) सही है और कारण (R) इसका सही स्पष्टीकरण है अभिकथन (A)	163	1
13.	(A) फ्रांस्वा बर्नियर	130	1
14.	(C) शेख निज़ामुद्दीन औलिया – आगरा	154	1
15.	(D) जॉर्ज वाशिंगटन	250-51	1
16.	(C) केवल I और II सही हैं	249	1
17.	(C) शोषण और ऋणग्रस्तता में बृद्धि	230	1
18.	(C) इब्न-बतूता	118	1
19.	(B) c, d, b, a	332	1
20.	(A) गोनू – छोटानागपुर	262-63	1
21.	(B) पंडित जवाहरलाल नेहरू।	322	1
	खंड –बी **(लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**6x3= 18**
22.	**हड़प्पा संस्कृति के निर्वाह के तरीकों की व्याख्या कीजिए।** (i) हड़प्पावासी विभिन्न प्रकार के पौधों और पशु उत्पादों का उपभोग करते थे। (ii) पुरातत्वविदों को जले हुए अनाज और बीज प्राप्त हुए हैं।	2-3	3x1=3

	(iii) गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल और बाजरा उनके सामान्य खाद्य पदार्थ थे। (iv) वे बकरी, भेड़, गाय, भैंस और सूअर का मांस खाते थे। (v) जंगली प्रजातियों जैसे जंगली सूअर, हिरण और घड़ियाल की हड्डियाँ भी प्राप्त हुई हैं। (vi) मछलियों और पक्षियों की हड्डियाँ भी मिली हैं। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
23.	**(a) अमरावती के स्तूप के पतन के कारणों की व्याख्या कीजिए ।** (i) अमरावती की खोज विद्वानों द्वारा खोजों के महत्व को समझने से पहले ही हो गई थी। (ii) एक स्थानीय राजा को अमरावती में स्तूप के खंडहर मिले और उन्होंने फैसला किया कि वे उस पत्थर का इस्तेमाल मंदिर बनाने के लिए करेंगे। (iii) वाल्टर इलियट ने अमरावती से कई मूर्तियाँ और उत्कीर्ण पत्थर जमा किए और वे उन्हें मद्रास ले गए । (iv) कुछ पत्थर कलकत्ता में बंगाल की एशियाटिक सोसाइटी और कुछ कुछ पत्थर लंदन तक पहुँच गए । (v) कई अंग्रेज अधिकारियों के बागों में अमरावती की मूर्तियाँ पाना कोई असामान्य बात नहीं थी। (vi) इस इलाके का हर नया अधिकारी भी मूर्तियाँ उठाके ले जाते थे| (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	98 105	3x1=3 3x1=3
	अथवा **(b) प्राचीन भारत के पौराणिक हिंदू धर्म के महत्व की व्याख्या कीजिए।** (i) पुराणों को ब्राह्मणों ने संकलित किया था। (ii) उनमें बहुत सी ऐसी बातें थीं जो सदियों से रचित और प्रचलन में थीं। (iii) इनमें देवी-देवताओं की भी कहानियाँ हैं। (iv) वे सरल संस्कृत श्लोक में लिखे गए थे। (v) इन्हें ऊँची आवाज़ में पढ़ा जाता था जिसे कोई भी सुन सकता था। महिलाएँ और शूद्र जिन्हें वैदिक साहित्य पढ़ने-सुनने की अनुमति नहीं थी लेकिन पुराणों को सुन सकते थे। (vi) पुराणों की ज़्यादातर कहानियाँ लोगों के आपसी मेल-मिलाप से विकसित हुई। पुजारी, व्यापारी और सामान्य स्त्री-पुरुष एक से दूसरी जगह आते-जाते हुए अपने विश्वासों और अवधारणाओं का आदान-प्रदान करते थे। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
24.	**'बर्नियर ने मुगल शहरों को 'शिविर नगर' के रूप में वर्णित किया हैं।' इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** (i) शिविर नगर से आशय ऐसे नगरों से है, जिनका अस्तित्व मुगल शिविरों पर आधारित था और वे उन्हीं पर निर्भर रहते थे।	134	3x1=3

	(ii) जब मुगल शाही दरबार किसी स्थान पर जाता था, तो लोग तेजी से उसके आसपास अपने शिविर (डेरा) स्थापित कर लेते थे। (iii) जब दरबार वहाँ से चला जाता था, तो ये नगर भी तेजी से पतन की ओर बढ़ जाते थे। (iv) इन नगरों की सामाजिक और आर्थिक नीव व्यवहार्य नहीं होती थी। (v) ऐसे शिविर नगर राजकीय प्रश्रय पर निर्भर रहते थे। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
25.	**(a) विजयनगर साम्राज्य की किलेबंदी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।** (i) अब्दुर रज़्ज़ाक ने सात पंक्तियों वाली किलेबंदी का उल्लेख किया है। (ii) ये किलेबंदी केवल शहर ही नहीं, बल्कि उसके आसपास के कृषि क्षेत्र और जंगलों को भी घेरती थीं। (iii) सबसे बाहरी दीवार शहर को घेरने वाली पहाड़ियों से जुड़ी हुई थी। (iv) निर्माण में कहीं भी गारे या सीमेंट का प्रयोग नहीं किया गया था। (v) पत्थर के टुकडे फानाकार के आकार के होते थे, जो उन्हें मजबूती से टिकाए रखते थे, और दीवारों का अंदरूनी भाग मिट्टी और मलबे से भरा होता था। (vi) वर्गाकार या आयताकार बुर्ज (मीनारें) बाहर की ओर निकली हुई थीं। (vii) किलेबंदी के भीतर कृषि भूमि भी शामिल थी। (viii) इस क्षेत्र में तुंगभद्रा नदी से पानी लाने वाली एक विस्तृत नहर प्रणाली थी। (ix) किलेबंदी की दूसरी परत नगरीय केन्द्र के आंतरिक भाग को घेरती थी। (x) तीसरी परत राजकीय केंद्र को घेरती थी, जिसके भीतर प्रत्येक प्रमुख भवन अपने-अपने ऊँचे दीवारों से घिरा हुआ था। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा** **(b) विजयनगर साम्राज्य के निकटवर्ती क्षेत्रों और उससे परे के व्यापारिक संबंधों का वर्णन कीजिए।** (i) विजयनगर साम्राज्य अरब और मध्य एशिया से घोड़ों का आयात करता था। (ii) इस व्यापार पर प्रारंभ में अरब व्यापारियों का नियंत्रण था। (iii) स्थानीय व्यापारी समुदाय, जिन्हें 'कुदिरई चेट्टी' या घोड़ा व्यापारी कहा जाता था, भी इस विनियमों में भाग लेते थे। (iv) 15वीं शताब्दी से पुर्तगालियों ने व्यापारिक और सामरिक केंद्र स्थापित करने का प्रयास करने लगे। (v) विजयनगर मसाले, वस्त्र और कीमती पत्थरों (रत्नों) का भी व्यापार करता था। (vi) व्यापार को एक प्रतिष्ठा का मानक माना जाता था। (vii) समृद्ध जनता के मध्य महँगी विदेशी वस्तुओं, विशेषकर कीमती रत्नों और आभूषणों की मांग थी।	177 - 78 172	3x1=3 3x1=3

	(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
26.	**उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने राजमहल के पहाड़िया लोगों के जीवन में किस प्रकार हस्तक्षेप किया? स्पष्ट कीजिए ।** (i) पहाड़िया लोग शिकारी, झूम खेती करने वाले, खाद्य बटोरने वाला , काठकोयला बनाने वाले तथा रेशम के कीड़े पालने वाले थे—अर्थात उनका जीवन जंगलों से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था। (ii) अंग्रेजों ने स्थायी कृषि को प्रोत्साहित किया ताकि भूमि से अधिक राजस्व प्राप्त हो, निर्यात के लिए फसलें उगाई जा सकें और एक स्थायी एवं सुव्यवस्थित समाज की स्थापना हो सके। (iii) जब पहाड़िययों ने इसका विरोध किया, तो अंग्रेजों ने उन्हें समाप्त करने की क्रूर नीति अपनाई—उन्हें ढूँढ-ढूँढकर मारा गया। (iv) अंग्रेजों ने 'शांतिपूर्ण नीति' (Pacification) भी लागू की। (v) पहाड़िया मुखियाओं को वार्षिक भत्ता दिया गया और उन्हें अपने लोगों के उचित व्यवहार के लिए जिम्मेदार बनाया गया। (vi) उन्हें अपने क्षेत्रों में व्यवस्था बनाए रखने और अपने लोगों को अनुशासित करने का कार्य सौंपा गया। (vii) पहारिया लोग पहाड़ों के भीतर गहराई में चले गए, बाहरी शक्तियों से खुद को अलग कर लिया और बाहरी लोगों के साथ संघर्ष जारी रखा। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	238-39	3x1=3
27.	**संविधान सभा में जयपाल सिंह द्वारा आदिवासियों की सुरक्षा के लिए की गई अपील की व्याख्या कीजिए ।** (i) जयपाल सिंह ने ऐसी परिस्थितियों के पक्ष में तर्क दिया, जो जनजातीय लोगों को सामान्य जनसंख्या के स्तर तक उठने में सहायक हों। (ii) उन्होंने कहा कि जनजातियाँ संख्या की दृष्टि से अल्पसंख्यक नहीं हैं, फिर भी उन्हें संरक्षण की आवश्यकता है। (iii) जनजातियों को उनकी भूमि से बेदखल किया गया, उनके जंगलों और चरागाहों से वंचित कर दिया गया तथा उन्हें नए आवास की तलाश में भटकने के लिए मजबूर किया गया। (iv) उन्होंने जनजातियों और समाज के अन्य वर्गों के बीच भावनात्मक और भौतिक दूरी को समाप्त करने के लिए मार्मिक अपील की। (v) जयपाल सिंह ने पृथक निर्वाचक मंडल की मांग नहीं की, बल्कि विधानमंडल में सीटों के आरक्षण की मांग की। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	332	3x1=3
	खण्ड– ग **(दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**3X8=24**
28.	**(a) "प्रारंभिक राज्यों (ई.पू. से 600 से 600 ई. सन्) में दिए गए भूमि अनुदानों से किसानों और राज्य के बीच संबंधों के बारे जानकारी मिलती हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए ।**	40-41	8x1=8

	(i) ईसा की प्रारंभिक शताब्दियों में भूमि के अनुदान दिए गए, जिनमें से कई का उल्लेख अभिलेखों में मिलता है। (ii) ये अभिलेख पत्थर और ताम्रपत्रों पर लिखे जाते थे। (iii) ये भूमि प्राप्त करने वालों को लेन-देन के प्रमाण के रूप में दिए जाते थे। (iv) संस्कृत विधि ग्रंथों के अनुसार, महिलाओं को भूमि जैसे संसाधनों पर स्वतंत्र अधिकार नहीं होना चाहिए था। (v) फिर भी अभिलेखों से ज्ञात होता है कि रानी प्रभावती गुप्ता को भूमि पर अधिकार था, जिसे उन्होंने आगे दान किया। (vi) देश के विभिन्न भागों से भूमि अनुदानों के प्रमाण प्राप्त हुए हैं। (vii) दान में दी गई भूमि के आकार में क्षेत्रीय भिन्नताएँ थीं। (viii) भूमि अनुदान हमें ग्रामीण जनसंख्या के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। (ix) ब्राह्मण को दी गई भूमि पर राजा को कर और अन्य देयों से छूट होती थी। (x) दान प्राप्त करने वाले को स्थानीय लोगों से कर और अन्य देय वसूलने का अधिकार दिया जाता था। (xi) कृषकों से अपेक्षा की जाती थी कि वे राजा या उसके प्रतिनिधियों को विभिन्न प्रकार की उपज दें। (xii) उन्हें गाँव के नए स्वामी का पालन करना होता था और सभी देय उसी को चुकाने होते थे। (xiii) कुछ इतिहासकार मानते हैं कि भूमि अनुदान नई भूमि में कृषि विस्तार की रणनीति का हिस्सा थे। (xiv) अन्य विद्वानों के अनुसार, भूमि अनुदान राजनीतिक शक्ति के कमजोर होने का संकेत थे—राजा अपने सामंतों पर नियंत्रण खो रहे थे, इसलिए उन्हें भूमि देकर अपने पक्ष में करने का प्रयास करते थे। (xv) यह भी माना जाता है कि नियंत्रण कम होने के कारण राजा अपनी शक्ति का कम-से-कम दिखावा बनाए रखना चाहते थे। (xvi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
	अथवा **(b) "आरंभिक भारतीय इतिहास में छठी शताब्दी ई. पू. को एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल माना जाता है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए ।** (i) छठी शताब्दी ईसा पूर्व वास्तव में प्राचीन भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। (ii) इस काल में प्रारंभिक राज्यों और नगरों का विकास हुआ। (iii) इस अवधि में लोहे के उपयोग में वृद्धि हुई। (iv) मुद्रा (सिक्कों) का प्रचलन विकसित हुआ। (v) कृषि उत्पादन के नए तरीकों का विकास और संगठन हुआ। (vi) इस काल में विभिन्न विचारधाराओं का विकास हुआ। (vii) इसी समय बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उदय हुआ। (viii) सोलह राज्य, जिन्हें महाजनपद कहा जाता है, अस्तित्व में आए। (ix) प्रत्येक महाजनपद की अपनी राजधानी होती थी। (x) राजधानी नगर प्रायः किलेबंद होते थे।	32-34	8x1=8

	(xi) कुछ महाजनपदों पर राजाओं का शासन था, जबकि कुछ गण या संघ कहलाते थे, जो कुलीनतंत्र (ओलिगार्की) पर आधारित थे। (xii) संघों में संभवतः राजाओं द्वारा भूमि जैसे संसाधनों पर सामूहिक नियंत्रण रखा जाता था। (xiii) कुछ राज्यों ने स्थायी सेना का गठन किया और नियमित प्रशासनिक व्यवस्था विकसित की। (xiv) अन्य राज्य प्रायः किसानों से भर्ती की गई मिलिशिया (अस्थायी सेना) पर निर्भर रहते थे। (xv) पड़ोसी राज्यों पर आक्रमण करके संपत्ति प्राप्त करना एक वैध साधन माना जाता था। (xvi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
29.	**(a) "असहयोग आंदोलन, भारत और गांधीजी के जीवन के एक युग का ही नाम हो गया।" लुई फिशर के इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** (i) गांधीजी को चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद जैसे स्थानीय छोटे संघर्षों से काफी अनुभव मिला। (ii) प्रथम विश्वयुद्ध के अंत में अंग्रेजों ने प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया था और बिना जाँच के कारावास की अनुमति दे दी थी। (iii) 1919 में रॉलेट एक्ट भी लागू किया गया। (iv) इसके जवाब में गाँधी जी ने देशभर में 'रॉलेट एक्ट' के खिलाफ एक अभियान चलाया। (v) दुकानें बंद हो गई, स्कूल बंद हो गए। (vi) पंजाब में विरोध प्रदर्शन बहुत तेज़ थे। (vii) पंजाब जाते समय गांधीजी को हिरासत में ले लिया गया। (viii) मज़दूर वर्ग हड़ताल पर चला गया (ix) विद्यार्थियों ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों और कॉलेजों में जाना छोड़ दिया। (x) वकीलों ने अदालत में उपस्थित होने से इनकार कर दिया। (xi) अवध के किसानों ने कर नहीं चुकाए। (xii) उत्तरी आंध्र में पहाड़ी जनजातियों ने वन कानूनों का उल्लंघन किया। (xiii) कुमाऊँ के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों का सामान ढोने से मना कर दिया। (xiv) गांधीजी ने कहा कि अगर असहयोग आंदोलन को असरदार तरीके से चलाया गया तो भारत को एक साल के अंदर स्वराज मिलेगा । (xv) असहयोग आंदोलन के कारण 1857 के विद्रोह के बाद पहली बार ब्रिटिश राज की नींव हिल गई। (xvi) असहयोग आंदोलन ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को जन आंदोलन में और गांधीजी को एक लोकप्रिय नेता में बदल दिया। (xvii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा**	289-91	8x1=8

	(b) "गांधीजी ने विभिन्न कारणों से नमक मार्च शुरू किया और परिणामस्वरूप ये एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन के रूप में सामने आया।" इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए। नमक मार्च के कारण- (i) साइमन आयोग की विफलता। (ii) 1929 - कांग्रेस संघ का लाहौर अधिवेशन - पूर्ण स्वराज की मांग। (iii) सविनय अवज्ञा का आवाहन किया (iv) गांधीजी ने नमक को इसलिए चुना क्योंकि यह हर घर में इस्तेमाल होने वाली एक आम सामग्री है जिसकी जरूरत सभी को पड़ती है। (v) नमक पर राज्य का एकाधिपत्य था। (vi) लोगों को घरेलू प्रयोग के लिए भी नमक बनाने से रोका गया । (vii) उन्हें दुकानों से ऊँचे दाम पर नमक खरीदने के लिए बाध्य किया गया। (viii) प्रकृति द्वारा बहुतायत में उत्पादित संपदा का यह अतिशय विनाश करता है। (ix) इस विनाश का मतलब है अधिक राष्ट्रीय खर्च। (x) इसने लोगों को बहुमूल्य सुलभ ग्राम उद्योग से वंचित किया । (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही चार बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) नमक मार्च का महत्व- (i) इससे महात्मा गाँधी दुनिया की नजर में आए। (ii) इस यात्रा को यूरोप और अमेरिकी प्रेस ने व्यापक कवरेज दी। (iii) यह पहली राष्ट्रवादी गतिविधि थी जिसमें औरतों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। (iv) नमक यात्रा के कारण ही अंग्रेजों को यह अहसास हुआ था कि अब उनका राज बहुत दिन नहीं टिक सकेगा। (v) अंग्रेजों को यह अहसास हुआ था कि उन्हें भारतीयों को भी सत्ता में हिस्सा देना पड़ेगा। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही चार बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	296-97	4+4=8
30.	**(a)मुग़ल काल के दौरान कृषि के विकास की व्याख्या कीजिए।** (i) खेती को लगातार बढ़ाया जा रहा था। (ii) खेती व्यक्तिगत मिल्कियत के सिद्धांत पर आधारित थी। (iii) जमीन की बहुतायत, मजदूरों की मौजूदगी, और किसानों की गतिशीलता की वजह से कृषि का लगातार विस्तार हुआ। (iv) चावल, गेहूं, ज्वार, बाजरा जैसे बुनियादी खाद्य पदार्थ उगाए जाते थे। (v) मानसून भारतीय कृषि की रीढ़ था । (vi) सिंचाई की कृत्रिम प्रणालियों का उपयोग किया जाता था (vii) सिंचाई कार्यों को राज्य की मदद भी मिलती थी। (viii) वैसे तो खेती मेहनतकशी का काम था लेकिन किसान ऐसी तकनीकों का इस्तेमाल भी करते थे जो अकसर पशुबल पर आधारित होती थीं।	198-201	8x1=8

	(ix) कुदाल और हल जैसी अल्पविकसित तकनीक का इस्तेमाल किया जाता था। (x) मौसम के दो मुख्य चक्रों के दौरान खेती की जाती थीः एक खरीफ़ (पतझड़ में) और दूसरी रबी (वसंत में)। (xi) मुगल राज्य ने किसानों को वाणिज्यिक फसलों की खेती के लिए भी प्रोत्साहित किया -कपास, गन्ना और तिलहन की खेती से राज्य को ज्यादा कर मिलता था। (xii) सत्रहवीं सदी में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से कई नयी फ़सलें भारतीय उपमहाद्वीप पहुंची जैसे टमाटर, आलू, बाज़ार और मिर्च। (xiii) ज्यादातर जगहों पर साल में कम से कम दो फसलें होती थीं। जहाँ बारिश या सिंचाई के अन्य साधन हर वक्त मौजूद थे वहाँ तो साल में तीन फसलें भी उगाई जाती थीं। (xiv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा** **(b) सोलहवीं और सत्तरहवीं शताब्दियों के दौरान कृषि समाज में महिलाओं की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** (i) महिलाएँ समाज में कुछ निर्दिष्ट भूमिकाएँ अदा करती थी। (ii) मर्द खेत जोतते थे व हल चलाते थे और महिलाएँ बुआई, निराई और कटाई के साथ-साथ पकी हुई फ़सल का दाना निकालने का काम करती थीं। (iii) महिलाओं की जैव वैज्ञानिक क्रियाओं को लेकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह बने रहे। पश्चिमी भारत में, राजस्वला महिलाओं को हल या कुम्हार का चाक छूने की इजाजत नहीं थी; इसी तरह बंगाल में अपने मासिक धर्म के समय महिलाएँ पान के बगान में नहीं घुस सकती थीं। (iv) सूत कातना, मिट्टी गूंथना और कढ़ाई जैसे कारीगरी के काम महिलाओं द्वारा किए जाते थे। (v) महिला श्रम की बहुत मांग थी। (vi) घर का सारा काम महिलाएँ करती थीं। (vii) कृषि प्रधान समाज में बच्चे पैदा करने की अपनी काबिलियत की वजह से महिलाओं को महत्त्वपूर्ण संसाधन के रूप में देखा जाता था। (viii) परिवार के पुरुष सदस्यों द्वारा महिलाओं को कड़े नियंत्रण में रखा जाता था (ix) बेवफ़ाई के शक पर ही महिलाओं को भयानक दंड दिए जा सकते थे। (x) भूमिहर भद्रजनों में महिलाओं को पुश्तैनी संपत्ति का हक़ मिला हुआ था। (xi) हिंदू और मुसलमान महिलाओं को जमींदारी उत्तराधिकार में मिलती थी जिसे बेचने अथवा गिरवी रखने के लिए वे स्वतंत्र थीं। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	206-07	8x1=8
	खण्ड– घ **(स्रोत आधारित प्रश्न)**		**3x4=12**
31.	<u>ताल्लुकदारों की सोच</u>	269	1

	(31.1) ब्रिटिश अफसर के प्रति हनवंत सिंह की पीड़ा को स्पष्ट कीजिए। (i) अंग्रेजों ने भारतीयों की ज़मीन छीनकर और उनके राजा को भगाकर उन्हें दबा दिया था। (ii) देश के लोग अंग्रेजों के खिलाफ उठ खड़े हुए थे| (iii) हनवंत सिंह ने एक सच्चे भारतीय की तरह ब्रिटिश अधिकारी को पनाह दी थी और उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया था। (iv) हनवंत सिंह ने अपनी पीड़ा ज़ाहिर की क्योंकि अब उन्हें अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए उसे अपने सिपाहियों के नेतृत्व में आगे बढ़ना होगा। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)		
	(31.2) शासकों द्वारा ताल्लुकदारों को किस प्रकार की सुविधाएँ दी जाती थी ? (i) तालुकदारों को ज़मीन और सत्ता पर नियंत्रण दिया गया था। (ii) ताल्लुक़दारों के पास हथियारबंद सिपाही होते थे। (iii) उनके अपने क़िले थे। (iv) उनके पास काफ़ी स्वायत्तता भी होती थी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)		1
	(31.3) ब्रिटिश शासन से ताल्लुकदारों के असंतोष के किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए। (i) ब्रिटिश भूराजस्व नीति ने ताल्लुक़दारों की हैसियत व सत्ता को चोट पहुँचाई। (ii) ताल्लुकदारों को उनकी जमीनों से बेदखल किया गया। (iii) कुछ तालुकदारों ने अपने पूर्व में कब्जे वाले गाँवों की कुल संख्या के आधे से अधिक गांव खो दिए। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		2
32.	**<u>माता की सलाह</u>** **(32.1) कौरवों और पाण्डवों के बीच संघर्ष के मुख्य कारण की व्याख्या कीजिए ।** (i) कौरवों और पाण्डवों के बीच संघर्ष का असली कारण ज़मीन और ताकत पर कब्ज़ा करना । (ii) कुरु एक प्रभुत्वशाली समूह थे और वे हर परिस्थिति में शासन करने के लिए सत्ता चाहते थे। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)	60	1
	(32.2) गांधारी ने दुर्योधन को युद्ध न करने की सलाह क्यों दी ? (i) शांति की संधि करके दुर्योधन अपने पिता, माता तथा शुभेच्छुकों का सम्मान करेंगे । (ii) लालच और क्रोध आदमी को लाभ से दूर खदेड़कर ले जाते हैं। (iii) युद्ध में कुछ भी शुभ नहीं होता, ना धर्म और अर्थ की प्राप्ति होती है और ना ही प्रसन्नता की |		1

	(iv) युद्ध के अंत में सफलता मिले यह भी ज़रूरी नहीं है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)		
	(32.3) दूर्योधन ने अपनी माता, गांधारी की सलाह क्यों नहीं मानी ? (i) वह शासक बनना चाहता था। (ii) वह ईर्ष्यालु और लालची था। (iii) वह पांडवों के साथ शांति नहीं करना चाहता था। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		2
33.	**<u>शाही भेंट अस्वीकार</u>** **(33.1) स्थानीय शासक द्वारा सूफी संत को दी गई भेंट का उल्लेख कीजिए।** (i) स्थानीय शासक ने दो बगीचे और बहुत सी जमीन का पट्टा शेख साहब को भेजा और साथ ही इनके रखरखाव के लिए औज़ार व आवश्यक वस्तुएँ भेजी थी। (ii) शासक ने बागों और ज़मीन पर अपने सभी अधिकार छोड़ने का ऐलान किया। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)	160	1
	(33.2) सूफी संत की दी गई भेंट पर क्या प्रतिक्रिया थी ? (i) शेख ने चढ़ावे पर अफसोस जताते हुए कहा कि वे चढ़ावे उसके किसी काम के नहीं हैं। (ii) किसी भी आध्यात्मिक गुरु ने कभी ऐसी गतिविधियों में भाग नहीं लिया था। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)		1
	(33.3) सूफी संत ने धनराशि को क्यों स्वीकार किया ? स्पष्ट कीजिए । (i) शेख ने पैसे इसलिए लिए क्योंकि वह उन्हें सूफियों या दरवेशों को देना चाहते थे। (ii) सूफी इसका इस्तेमाल खाना और कपड़े खरीदने के लिए कर सकते थे। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		2
	खण्ड – ङ **(मानचित्र-आधारित प्रश्न)**		**5x1= 5**
34.	**(34.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिह्नों अथवा प्रतीकों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए :** (i) नागेश्वर - एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल (ii) काशी - आरंभिक राज्य iii) (a) गोवा - औरंगजेब के अधीन क्षेत्र अथवा	2 30 214	3x1=3

	(b) तंजाबूर - एक मध्यकालीन शहर	174	
	(34.2) भारत के इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित दो केन्द्रों को A और B से अंकित किया गया है। इनको पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए। A. चौरी चौरा B. दांडी	291, 296	2
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 34 के स्थान पर हैं :		
	(34.1) आरंभिक राज्यों की किन्हीं दो महत्वपूर्ण राजधानियों के नाम लिखिए । उज्जयिनी/ कौशाम्बी/ वाराणसी/ राजगीर/ वैशाली/ कुशीनगर/ श्रावस्ती/ चंपा/ मथुरा/ इन्द्रप्रस्थ/ तक्षशिला/ पुष्कलावती अथवा कोई अन्य प्रासंगिक शहर। (कोई दो)	30	2
	(34.2) a) औरंगजेब के शासन के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए । दिल्ली / आगरा / अजमेर / गोवा या कोई ओर। **अथवा** **(b) विजयनगर साम्राज्य की राजधानी का नाम लिखिए ।** हम्पी	214 170	1 1
	(34.3) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो मुख्य केन्द्रों के नाम लिखिए । चंपारण ,खेड़ा, अहमदाबाद, चौरी-चौरा, दांडी, बारदोली या कोई अन्य। (कोई दो)	289, 291, 296	2
			1

प्रश्न सं. **34** के लिए मानचित्र
Map for Q. No. **34**